ॐ

श्री परमात्मने नम.

द्रव्यदृष्टि-प्रकाश

[प्रथम खण्ड]

आध्यात्मिक पत्र

卐

परम अद्‌भुत, जीवन उध्धारक, जन्म-मरणरूपी रोगसे रहित
करनेवाले, योगिराज श्री कहानगुरुदेवकी तीक्ष्ण
द्रव्यदृष्टिके अजोड प्रकाशक
श्री निहालचन्द सोगानीजीके
द्वारा
साधर्मियोके प्रति
लिखे गये पत्र

✿

સતત દૃષ્ટિ ધારા વરસાવે, આનંદ ચૈતન્યને પ્રદેશે રમનાર
મહાન યોગીરાજ શ્રી ગુરુદેવને અત્યંત ભાવે
નમસ્કાર

નિહાલચંદ